Literacy for a Billion

Movie: Geet
Year:1970

Song: Tujhko majnu ki kasam
Lyricist: Hasrat Jaipuri

तुझको मजनू की क़सम
सामने आजा लैला
आज तो आह की
तासीम दिखा जा लैला
तूने सूरत ना दिखाई तो
ये सूरत होगी
लोग देखेंगे तमाशा
तेरे दीवाने का
दीवाने का

आ...
दीवाने तेरी आह
बड़ी काम आ गई
लैला तड़प के आज
लब्बेबाँ आ गई
ना इतना सितम मुझपे ढ़ाया करो
ना इतना सितम मुझपे ढ़ाया करो
जरा अपना
जरा अपना जलवा दिखाया करो
ना इतना सितम मुझपे ढ़ाया करो
आ...
मेरी मजबूरीयाँ तुम ज़रा जान लो
मेरी मजबूरियाँ तुम ज़रा जान लो
अब खयालों में
अब खयालों में हमको बुलाया करो
मेरी मजबूरियाँ तुम ज़रा जान लो
आ...
जला जा रहा हूँ बचा लो मुझे
जला जा रहा हूँ बचा लो मुझे

मेरे दिल पे जुल्फों का साया करो
ना इतना सितम मुझपे ढ़ाया करो
आ...

ना तलवारों से ड़रते हैं
ना अंगारों से ड़रते हैं
मोहब्बत करने वाले
कब सितमगारों से ड़रते हैं
हम तो हँसते ते हुए
उल्फ़त पे फ़िदा होते हैं
हम तो हँसते ते हुए
उल्फ़त पे फ़िदा होते हैं
हक मोहब्बत के
हक मोहब्बत के
सनम ऐसे अदा होते हैं
हम तो हँसते ते हुए
उल्फ़त पे फ़िदा होते हैं

मोहब्बत मिट नहीं सकती
ज़माना क्या मिटाएगा
नशा हो उसे झुकी उल्फ़त
नशा हो उसे झुकी उल्फ़त
जमाना क्या झुकाएगा
नौक ए तलवार पे भी
वादे वफ़ा होते है
मौत की गोद में
मौत की गोद में भी सजदे
अदा होते है
हम तो हँसते हुए

कहाँ हो कहाँ हो
कहाँ हो तुम
कहीं से तो मुझे आवाज़ दी होती
अगर अपना
अगर अपना बनाया था
तो करते इंतजारी भी
खुली रही मेरी आँखें भी बाद मरने के
अब इससे बढ़के भला इंतजार क्या होगा
तुझे खुदा की क़सम
यूँ ना छोड़ राहों में
तुझे खुदा की क़सम
यूँ ना छोड़ राहों में
मैं आ गई
मैं आ गई
मैं आ गई
मुझे ले ले तू अपनी बाहों में
तुझे खुदा की क़सम
ले ले अपनी बाहों में
अपनी बाहों में
अपनी बाहों में

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.